Dr. Vinod Baitha
Marwari college Darbhanga.

Economics D.I (H)

Q चुनाव की समस्या क्या है? यह क्यों उत्पन्न होती है।

What is The Problem of choice? Why does is open?

अर्थशास्त्र के अंतर्गत मानव की आवश्यकता का अध्ययन किया जाता है मनुष्य की आवश्यकताएँ अनंत होती है मनुष्य सभी आवश्यकताओं की एक साथ एवं समय में पूर्ति नहीं कर सकता है क्योंकि पूर्ति के साधन सीमित होते हैं। अर्थशास्त्र के अन्तर्गत मुख्य आर्थिक समस्या यह है कि व्यक्ति अपनी असीमित आवश्यकताओं की अपने सीमित साधनों से किस प्रकार करता है। वहाँ चयन की समस्या आती है उस समय मनुष्य अपनी समस्याओं का चयन करने लगता है। इस चयन की समस्या की ओर सर्वप्रथम ध्यान ~~आकृष्ट~~ आकर्षित करनेवाले अर्थशास्त्री प्रो॰ रॉबिन्स थे। उन्होंने अपनी पुस्तक में " An Essay on The Nature and significance of Economic Sience में यह विचार ~~व्यक्त~~ किया। " अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जो लक्ष्यों और वैकल्पिक प्रयोग वाले सीमित साधनों के मध्य पारस्परिक सम्बंध के रूप में मानव व्यवहार का अध्ययन करता है। रॉबिन्स के विचार में मानवीय आवश्यकताएँ अनंत होती हैं, जबकि आवश्यकताओं को संतुष्ट करने वाले साधन सीमित होते हैं। परिणामतः मनुष्य अपनी सभी आवश्यकताओं को संतुष्ट नहीं कर पाता है। आवश्यकताओं के अनंत और साधन सीमित होने के कारण व्यक्ति को आवश्यकताओं में से तीव्रता Intensity के आधार पर चयन करना पड़ता है। यह व्यक्ति के समक्ष चयन अथवा चुनाव की समस्या है जिसे आर्थिक समस्या कहा जाता है।

चयन एक आर्थिक समस्या हो इसके संबंध में कुछ अर्थशास्त्रियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए हैं

प्रो॰ एरिक रोल के अनुसार – आर्थिक समस्या मूलतः चयन की आवश्यकता में से उत्पन्न होने वाली समस्या है। जिसमें वैकल्पिक प्रयोग वाले सीमित संसाधनों का प्रयोग किया जाता है। यह संसाधनों के मितव्ययी उपयोग की समस्या है।

प्रो॰ लैफ्टविच के अनुसार :– आर्थिक समस्या का संबंध वैकल्पिक मानवीय आवश्यकताओं में सीमित साधनों का प्रयोग करने और इन साधनों को इस दृष्टि से उपयोग करने से है कि आवश्यकताओं की अधिकतम संभव संतुष्टि हो सके।

इस प्रकार साधारण शब्दों में विभिन्न उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सीमित साधनों के प्रयोग से संबंधित चयन की समस्या ही आर्थिक समस्या कहलाती है।

मनुष्य अपनी सीमित साधनों से असीमित आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ अधिक से अधिक संतुष्टि प्राप्त करना चाहता है इसके लिए चुनाव की समस्या पैदा होती है जो मूलतः निम्नलिखित कारणों से होता है जो निम्नलिखित है।

(1) असीमित आवश्यकताएँ Unlimited Want — मनुष्य ~~की~~ आवश्य

Scanned by CamScanner

ताएँ अनन्त और असीमित होती है। एक आवश्यकता की पूर्ति हो जाने पर नयी आवश्यकता उत्पन्न होती रहती है। अतः मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को संतुष्ट नहीं किया जा सकता है।

2. आवश्यकताओं की तीव्रता में अंतर - Difference in Wants — आवश्यकताओं की तीव्रता में अंतर होती है। आवश्यकताएँ तीव्रता की दृष्टि से भिन्न-भिन्न होती हैं अर्थात कुछ-कुछ आवश्यकताएँ मनुष्य के लिए अधिक महत्वपूर्ण होती हैं और कुछ कम होती हैं। अतः महत्व के आधार पर प्रत्येक मनुष्य अपनी विभिन्न आवश्यकताओं को प्राथमिकता के क्रम में रख सकता है एक आवश्यकता की पूर्ति के बाद दूसरी आवश्यकता को प्रति करता है।

3. आवश्यकताओं की पूर्ति के सीमित साधन हैं। Scarce Means - साधन की रूपलता से तात्पर्य है जितनी मात्रा में मात्रा में इन साधनों की मांग है। उनकी तुलना में यह वस्तु कम मात्रा में उपलब्ध है। जो वस्तु मनुष्य की आवश्यकताओं को संतुष्ट करने की क्षमता रखती है वह साधन कहलाती है। साधन दो प्रकार के हो सकते हैं (क) प्राकृतिक (ख) मनुष्य द्वारा निर्मित - दोनों ही प्रकार के साधन असीमित मानवीय आवश्यकताओं को संतुष्ट करने के दृष्टिकोण सीमित होते हैं।

4. साधनों का वैकल्पिक प्रयोग Alternative Uses of Resources — साधन न केवल सीमित होते हैं बल्कि इनके वैकल्पिक प्रयोग भी होते हैं। उदाहरण के लिए बिजली का प्रयोग बिजली के पंखे कुलर फ्रिज रोशनी आदि में किया जा सकता है। अतः यहाँ भी हमारे सामने यह समस्या उत्पन्न हो जाती है कि हम किस साधन को किस काम के लिए प्रयोग करें। मनुष्य वैकल्पिक साधनों के माध्यम से अपनी आवश्यकताओं को संतुष्ट करना चाहता है।

5. चुनाव या चयन की समस्या - Problem of choice - उपर्युक्त तथ्यों से यह स्पष्ट हो जाता है कि कोई भी व्यक्ति, परिवार, समाज, राज्य एवं देश अपने सीमित साधनों से अपनी सभी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है। अतः उन सभी के सामने यह समस्या बनी रहती है कि वह कौन सी समस्या या साधनों को कितनी मात्रा में कौन-सी आवश्यकता की पूर्ति में लगाए।

इस प्रकार हम दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि सबके सामने चयन की समस्या उत्पन्न हो जाती है और चयन की समस्या ही आर्थिक समस्या कहलाती है मानवीय आवश्यकताओं की तरह साधन भी असीमित होते तो चयन की समस्या उत्पन्न ही नहीं होती और न कोई आर्थिक समस्या होती, इसतरह साधनों की दुर्लभता ही आर्थिक समस्याओं की जननी है जब अर्थशास्त्र का उदय होता है तभी चयन की समस्या या दुर्लभता की समस्या उत्पन्न होती है।

Scanned by CamScanner